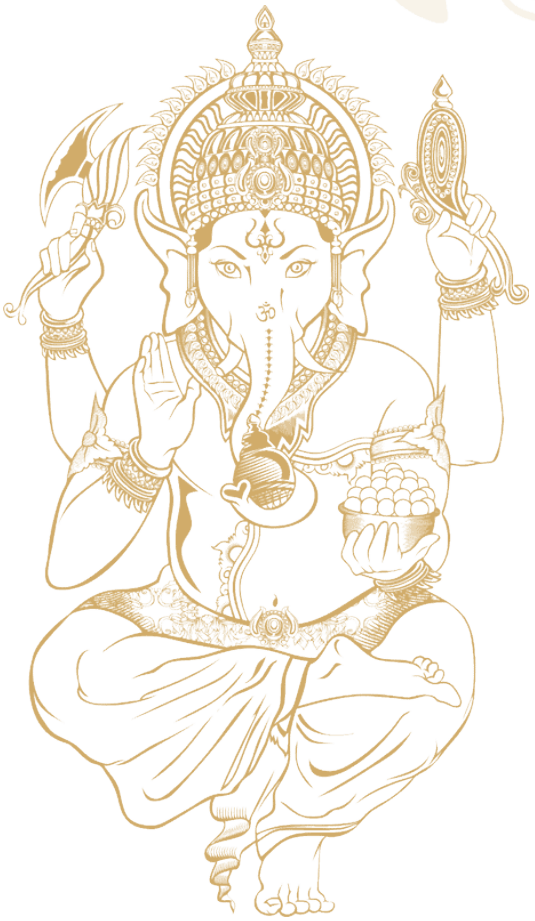

Ajay verma

07 Apr 1965

04:51 AM

Bulandshahr

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119745103

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
6-07/04/1965	जन्म तिथि	**07/04/2025**
मंगल-बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 04:51:00	जन्म समय	14:05:56 घंटे
घटी 56:57:39	जन्म समय(घटी)	20:09:04 घटी
India	देश	India
Bulandshahr	स्थान	Bulandshahr
उत्तर 28:30:00	अक्षांश	28:30:00 उत्तर
पूर्व 77:49:00	रेखांश	77:49:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:44	स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:56	सूर्योदय	06:02:18
18:39:37	सूर्यास्त	18:39:52
23:22:01	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:37

कुम्भ	लग्न	कर्क
शनि	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृष	राशि	कर्क
शुक्र	राशि-स्वामी	चन्द्र
मृगशिरा	नक्षत्र	आश्लेषा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	2
सौभाग्य	योग	धृति
कौलव	करण	गर
वे-वेद	जन्म नामाक्षर	डू-डूंगरी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
वैश्य	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	मार्जार
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	श्वान
60	गत/तत्कालिक वर्ष	61

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पू०भाद्रपद	3	26:48:58	कुंभ			लग्न			कर्क	24:31:26	3	आश्लेषा
रेवती	3	23:34:12	मीन			सूर्य			मीन	23:34:12	3	रेवती
मृगशिरा	1	26:39:22	वृष			चंद्र			कर्क	20:43:08	2	आश्लेषा
पू०फाल्गुनी	1	16:25:20	सिंह	व		मंगल			कर्क	01:35:10	4	पुनर्वसु
रेवती	3	26:19:41	मीन	व	अ	बुध	व		मीन	02:37:00	4	पू०भाद्रपद
कृतिका	2	03:17:01	वृष			गुरु			वृष	22:47:28	4	रोहिणी
रेवती	2	22:13:47	मीन		अ	शुक्र	व		मीन	01:04:09	4	पू०भाद्रपद
शतभिषा	4	18:51:47	कुंभ			शनि			मीन	01:02:04	4	पू०भाद्रपद
रोहिणी	4	22:03:31	वृष			राहु			मीन	03:06:26	4	पू०भाद्रपद
ज्येष्ठा	2	22:03:31	वृश्चि			केतु			कन्या	03:06:26	2	उ०फाल्गुनी
पू०फाल्गुनी	2	18:03:24	सिंह	व		मु			कुंभ	26:48:58	3	पू०भाद्रपद

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:37

लग्न-चलित

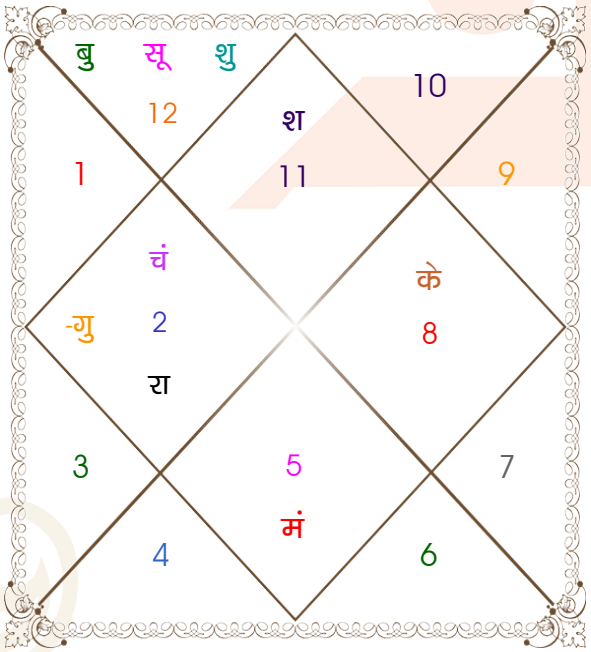

वर्ष लग्न कुंडली

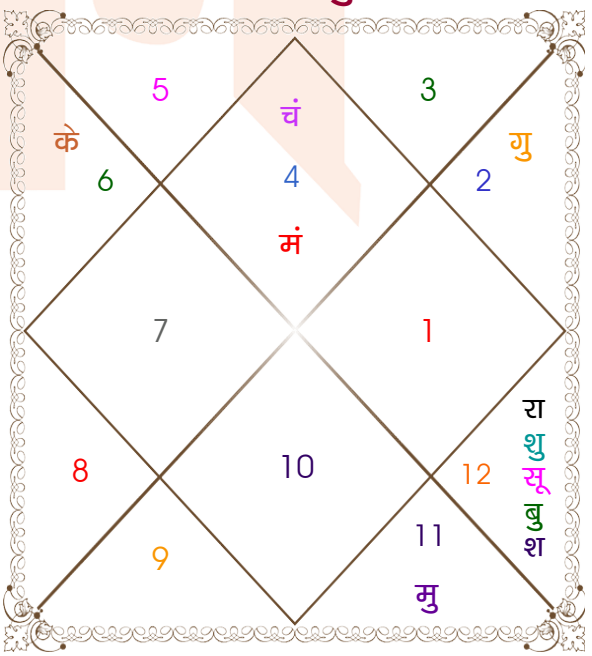

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - बुध - शनि		बुध - केतु - केतु		बुध - केतु - शुक्र		बुध - केतु - सूर्य	
19/07/2025 09:50		05/12/2025 16:29		26/12/2025 19:34		25/02/2026 04:24	
05/12/2025 16:29		26/12/2025 19:34		25/02/2026 04:24		15/03/2026 07:03	
शनि	10/08/2025 11:05	केतु	06/12/2025 22:04	शुक्र	05/01/2026 21:03	सूर्य	26/02/2026 02:08
बुध	30/08/2025 04:38	शुक्र	10/12/2025 10:35	सूर्य	08/01/2026 21:29	चंद्र	27/02/2026 14:21
केतु	07/09/2025 07:37	सूर्य	11/12/2025 11:56	चंद्र	13/01/2026 22:13	मंगल	28/02/2026 15:42
शुक्र	30/09/2025 12:44	चंद्र	13/12/2025 06:11	मंगल	17/01/2026 10:44	राहु	03/03/2026 08:54
सूर्य	07/10/2025 11:52	मंगल	14/12/2025 11:46	राहु	26/01/2026 12:04	गुरु	05/03/2026 18:51
चंद्र	19/10/2025 02:25	राहु	17/12/2025 15:50	गुरु	03/02/2026 13:14	शनि	08/03/2026 15:40
मंगल	27/10/2025 05:24	गुरु	20/12/2025 11:27	शनि	13/02/2026 02:38	बुध	11/03/2026 05:15
राहु	17/11/2025 02:48	शनि	23/12/2025 19:44	बुध	21/02/2026 15:53	केतु	12/03/2026 06:36
गुरु	05/12/2025 16:29	बुध	26/12/2025 19:34	केतु	25/02/2026 04:24	शुक्र	15/03/2026 07:03

बुध - केतु - चंद्र		बुध - केतु - मंगल		बुध - केतु - राहु		बुध - केतु - गुरु	
15/03/2026 07:03		14/04/2026 11:27		05/05/2026 14:33		28/06/2026 22:29	
14/04/2026 11:27		05/05/2026 14:33		28/06/2026 22:29		16/08/2026 05:33	
चंद्र	17/03/2026 19:25	मंगल	15/04/2026 17:02	राहु	13/05/2026 18:08	गुरु	05/07/2026 09:02
मंगल	19/03/2026 13:40	राहु	18/04/2026 21:06	गुरु	20/05/2026 24:00	शनि	13/07/2026 00:33
राहु	24/03/2026 02:20	गुरु	21/04/2026 16:43	शनि	29/05/2026 14:27	बुध	19/07/2026 20:45
गुरु	28/03/2026 02:55	शनि	25/04/2026 01:00	बुध	06/06/2026 07:11	केतु	22/07/2026 16:22
शनि	01/04/2026 21:37	बुध	28/04/2026 00:50	केतु	09/06/2026 11:15	शुक्र	30/07/2026 17:32
बुध	06/04/2026 04:15	केतु	29/04/2026 06:25	शुक्र	18/06/2026 12:34	सूर्य	02/08/2026 03:29
केतु	07/04/2026 22:30	शुक्र	02/05/2026 18:56	सूर्य	21/06/2026 05:46	चंद्र	06/08/2026 04:05
शुक्र	12/04/2026 23:14	सूर्य	03/05/2026 20:17	चंद्र	25/06/2026 18:26	मंगल	08/08/2026 23:41
सूर्य	14/04/2026 11:27	चंद्र	05/05/2026 14:33	मंगल	28/06/2026 22:29	राहु	16/08/2026 05:33

बुध - केतु - शनि		बुध - केतु - बुध		बुध - शुक्र - शुक्र		बुध - शुक्र - सूर्य	
16/08/2026 05:33		12/10/2026 13:56		02/12/2026 21:26		24/05/2027 08:56	
12/10/2026 13:56		02/12/2026 21:26		24/05/2027 08:56		15/07/2027 02:47	
शनि	25/08/2026 07:29	बुध	19/10/2026 20:24	शुक्र	31/12/2026 15:21	सूर्य	26/05/2027 23:02
बुध	02/09/2026 10:28	केतु	22/10/2026 20:14	सूर्य	09/01/2027 06:20	चंद्र	31/05/2027 06:31
केतु	05/09/2026 18:45	शुक्र	31/10/2026 09:29	चंद्र	23/01/2027 15:17	मंगल	03/06/2027 06:57
शुक्र	15/09/2026 08:09	सूर्य	02/11/2026 23:03	मंगल	02/02/2027 16:45	राहु	11/06/2027 01:14
सूर्य	18/09/2026 04:58	चंद्र	07/11/2026 05:41	राहु	28/02/2027 13:41	गुरु	17/06/2027 22:49
चंद्र	22/09/2026 23:40	मंगल	10/11/2026 05:31	गुरु	23/03/2027 13:37	शनि	26/06/2027 03:26
मंगल	26/09/2026 07:57	राहु	17/11/2026 22:15	शनि	19/04/2027 21:02	बुध	03/07/2027 11:22
राहु	04/10/2026 22:25	गुरु	24/11/2026 18:27	बुध	14/05/2027 07:28	केतु	06/07/2027 11:49
गुरु	12/10/2026 13:56	शनि	02/12/2026 21:26	केतु	24/05/2027 08:56	शुक्र	15/07/2027 02:47

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी।अतः नवीन कार्यो को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।